उत्तराखण्ड शासन वित्त अनुभाग—8 सं0 /2010/181(120)/XXVII(8)/2008 विनांक= देहरावून = ्जनवरी 2010

अधिसूचना

राज्यपाल उत्तराखण्ड मृत्य वर्षित कर अधिनियम् 2005 ही धारा 71 छे द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करवे उत्तराखण्ड मृत्य वर्षित कर नियम, 2005 में अयतर संशोधन करने की दृष्टि से निम्निसिरियत मिग्रम बनाते हैं—

उत्तराखण्ड मूल्य वर्धित कर (द्वितीय संशोधन) नियम, 2009

1- सक्षिप्त नाम और प्रारम्भ- (t) इस नियमावली का सक्षिप्त न्वम उत्तराखण्ड(उत्तराधल मूल्य वर्धित कर नियम, 2006)(द्वितीय संशोधन) 2009 है। (2) यह तुरुत्त प्रयुक्त होगी।

2— नियम 11 के उपनियम(1), उपनियम(2), उपनियम(3) तथा छपनियम(7) का संशोधन एवं नथे उपनियम(10) एवं उपनियम(11) का ओड़ा जाना—

उत्तराराज्य मृत्य यणित कर नियम, 2005) अनुवृत्सन एवं उपान्तरण कावेश, 2007, जिसे यहीं आगे मूल नियम कहा गया है, के नियम 11 कें-

(क) गर्तभाग उपनिचय (t) के स्थान पर निम्नतिक्षित उपनिचन (t) एक दिया जायेगा—

(1) जपनियम (2) के अन्तर्गत आव्छादित से मिन्न प्रत्येक ब्यौहारी जो कर के लिये वायी है, अपने आवर्त की सावधिक विवरणी फार्म 5 में कर निर्धारक प्राधिकारी को निम्नलिखित रीति से प्रस्तुत करेगा—

(एक) एक मासिक विवरणी, अगले ग्रसरवर्ती गांह की समाचित से पूर्व, यदि पूर्ववर्ती वर्ष

में आवर्त 25 लाख रुपये से अधिक था,

(दो) जून 30 सितम्बर 30 दिसम्बर 31 और मार्च 31 को समाप्त होने वाली प्रत्येक तिमाही की विवरणी सम्बन्धित तिमाही के एक माह के मीतर वादे पूर्ववर्ती वर्ष में आवर्त 25 लाख रुपये तक था.

(ख) उपनियम (2) के प्रधम परन्तुक में प्रयुक्त शब्द "खण्ड (क) (ख)" के रथान पर शब्द "सपनियम (1) अथवा उपनियम (2)" रख दिये जायेंगे।

(ग) उपनियम्(१) कं हाद निम्नालिखित परन्तुक रख दिया जायेगा-

"परन्तु यह कि संकर्भ संविदाकार(वर्क कान्ट्रैक्टर) अपनी सावधिक विवरणी फार्म 3(७) में बांखिल करेगा।"

- (घ) उपनिथन (२) में इयुक्त शब्द "फार्न 3" के रखान पर शब्द "कार्म 3(ग)" रख दिया आयेगा।
- (४) उपनियम (३) के खण्ड (ग) के बाद एक नवा खण्ड (घ) जोड़ दिया जायेगा अर्थात-(प) उपनियम (३) के खण्ड (क), (या) लक्ष्य (म) के व्यक्तियन अर्थारक परिवर्तनी सर्वित कार्म ३(थ) एवं ३(प) पर भी आवश्यकतानुसार लागू होंगे।"
- (य) (1) उपनिचम (7) में प्रथम परन्तुक के अन्त में शब्द 'सकर्म सोवंदाकार अपनी वर्तके विचरणी फार्म 4(ख) एवं उत्तराखण्ड मूल्य वर्णित कर अधिनियम 2005 की पास 7(1) के अधीन प्रकल्पित कर का विकल्प अपनाने वाले ब्योहारियों द्वारा अपनी वार्षिक विवरणी फार्म 4(ग) में दाखित्र की जायंगी? बदा दिये आयंगे।
- (a) उपनियम २ के वर्तमान द्वितीय घरन्तुक के श्यान पर निम्नक्षिक्षत द्वितीय घरन्तुक रख दिया आयेशा-

परन्तु यह और कि कर निर्धारक प्राधिकारी पर्याप्त करणों से उराको अधिविधित करते हुए ऐसी विवरणी को दाखिल करने का समय स्वयं अधिकतम 3 पाह तक एवं कनिश्नर दाणिजा कर की लिखित अनुमति से अधिकतम 5 माह तक बढ़ा सकता है।"

- (छ) उपनियम(प्र) को बाद एक नया एपन्यिम (५०) रदा दिया आधेगा— "(१०) फार्म ४ में दाक्षिल वार्षिक विवरणी की प्राप्ति फार्म ३३ में आरी की आयेगी।"
- (ज) उपनिष्यम्(10) के बाद एक नवा उपनिषय (11) रवा दिया जायेगा—
 '(11) (एक) नियम 11 के उपनियम में विक्रित सावधिक विवरणी अवले पश्चात्वती कह की समाधित के पूर्व विकास की सरकारी वेबसाइट पर ऑनलाइन अथवा हार्वकायी में वाद्यिल की जा सकती है

परन्तु का कि कमिश्नर शामिज्य वन एक सामान्य आदेश से उन पंजीवृता ब्योहारियों द्वारा जिलका सकल अवसी कर निर्धारण वर्ष के ठीक पूर्ववसी जर निर्धारण वर्ष में ऐसी धनशीय से अधिक बोने की सम्मायना है अथवा पहले ही जीवेक हो नया है. सर्वाधिक विवरणी 'ऑन लाइन' प्रस्तुत किया जाना अनिवार्य कर सकता है जेसा कि वह उच्चित्र समझे जिल्हा अकस्थित पश्चिमातियों के सम्बन्ध में प्रयोग कारणों को अभितिश्विल करके कर निर्धारक प्राधिकारी जिसकी अधिकारिता में असकर कालंबर पड़ता है, हार्डकापी में विवर्शियों को दाखिल करने की अनुमति दे शकता है। (वॉ) कलेण्डर माह, जिसमें ऐसी विचरणी दासिक्स किया जाना है जसकी सनापित के पन्दर विन बाद ब्योहारी को ऑगलाइन दाखिल की यथी विवरणी की एक हाउंकापी भगतान के राजुत के अप में टेजरी चालान की प्रति के साथ दाखिल करना होगा। (क्षीन) दिभाग की सरकारी वेबसाइट पर ऑनलाइन टारियल की जा रही विवरणी को सूचना प्रोक्तोंगिकी अधिनियम् २०००(इनकॉश्मेशन टेक्चोलीजी ऐक्ट. २०००) के प्राविधान 35 के उनुसार सत्वापन करने वाले प्राधिकारी द्वारा ब्योहरी अथवा इस निषित अधिकृत व्यक्ति को व्यसी दिखिदल इस्ताह्मर द्वारा अधिप्रमाणित किया जायेगा, विस्तरी अरुफल रहने पर इसे दिवरणी की केवल सॉफ्टकापी माना जावंगा और म्वीहारी को विहित समय के भीतर जसकी एक हार्डकापी दाखित करनी होगी।"



- 3- नियम 19 के उपनियम (1) में निर्धापित फार्म 6 का संशोधन- मूळ नियम के नियम 19 के उपनियम (1) में निर्धापित वर्तमहरू कार्म 6 के स्थान पर संशोधित फार्म 6 रख दिया जावेगा।
- 4- नियम 23 वो उपनियमों में संशोधन- मूल नियम के नियम 23 मे-
- (क) जपनियम (३) (६)(क) (६)(छ), (६), (११),(१४) तथा उपनियम (१६) में प्रयुक्त शब्दाकरी जिसक्तिक क्रमिश्नव के स्थान पर शब्दाकरी कर निर्धारक प्राधिकारी रख के जायेगी।
- (ख) उपनियम्मं) में उल्लिखित फार्म ।। की "दूसरी प्रति" कार्म की "मूल प्रति" के कार रख दी जायेगी।
- (ग) उपनियम (a) के प्रथम परन्तुक के बाद विव्वतिखित परन्तुक एक विधा जायेगा-

'परन्तु यह और कि एक एकल फार्म में एक कर निर्धारण वर्ग से शस्त्रनिवत ह लाख रूपये से अधिक के सध्यवहार अस्थादित किये जा सकते हैं, यदि—

- (क) क्षेता व्यापारी अपने प्रार्थना पत्र के बाध्य कुल खरीद की ब्योहारी वार सूची वाशिल करेगा
- (ख) कर निर्धारक प्राधिकारी का समाधान हो जाता है कि व्योहारी द्वारा संधी विवरणियाँ वाखिल कर मी गयी है और देव कर जमा करने का सबूत दिया जा चुका है, और
- (न) फार्न जारी करते समय कर निर्धारक प्राधिकारी कार्न के तत्पर लाल रवाही से सूर्समा कर निर्धारण वर्ष विक्रेता का नाम तथा आवश्वरदित धनराशि विन्दित करेगा
- 5— नियम 30 के जपनियम (16) के बाद उपनियम (17), उपनियम (18), उपनियम (19) छछ। उपनियम (20) का जोड़ा जाना पैट नियमों के नियम 30 के उपनियम (18) के बाद निम्नलिखित नये उपनियम (17), उपनियम (10), उपनियम (19) तथा उपनियम (20) जोड़ दिये आयेथे—
- (17) जिस वर्ग के कपदालाओं को यह बुविध्य दी जानी है कि ते वेट नियमावली के नियम 30 के जवनियम (1) में निर्धारित फार्म 16 स्वर्थ डाउन्डलीड कर प्रयोग कर सकते हैं उसे कामिश्लर, वाणिज्य कर द्वारा अधिकृत किया आयेगा।
- (18) उपनिवास (17) के प्रयोजन हेन्द्र कमिल्नर, व्हणिज्य कर द्वारा कार्न 18 की शुकता तथा करूक जिन्हें डाउनलोट किया जा सकता है, को अधिकृत तथा विहित किया जायेगा।
- (19) उपनियम (18) के अनुसार हातनलोड़ किये गये आयात धोषणा पत्रो(फार्म 16) पर करदात हारा स्टब अध्या पार्न क्रम्यसे अर्थदे के गमाने में दूश प्रयोजन हेन् अधिकृत व्यक्ति हारा एनताहर किया आयेगा क्या हस्ताक्षर का रणूना क्रमितार, वाणिपय कर तथा पर निर्धारक प्राधिकारी को मेफा आयेगा।



(20) नियम 30 के अन्य सभी प्राविधान डाउनलोड किये गये आयाद घोषणा पत्रों पर भी उती प्रकार लागू होंगे जैसा कि कर निर्धारक प्राधिकारी के कार्यालय से प्राप्त आयात घोषणा पत्री पुर लागू होते हैं।

6— नियम 41 के उपनियमों में संशोधन— मूल नियम के नियम 41 के उपनियम (2):(4):(5):(7):(9):(10):(11):(12):(13) एथा (14) में प्रयुक्त शब्दावली असिस्टेस्ट वर्गमञ्जर के स्थान पर शब्दावली कर निर्धारक प्राधिकारी रख दी जावंगी।

> (आलोक कुमार जेन) प्रमुख संचिव, विशा

स्ति (1/2010/181(120)/XXVII(8)/2008 तद्दिनांक।
प्रतिनिधि-निम्नितिसित को स्वनार्थ एवं जायश्यक कार्यवार्थ हेलू पेकित—
1 अध्वत कर उत्तरम्बद्ध वेहरावृत को इस जाश्य से कि कृपया अपने स्तर से सम्बन्धित अधिकारियों कर अधियकाओं व करदाताओं को अधिसूपना से जावगत कराने का कार्ट करे।
2-निदेशक, मुद्रण एवं लेखन लागवी उत्तरायण्ड कड़की को प्रविश्वानमा की हिन्दी/अधिजों प्रतिपा इस अनुवीध सहित कि इसे असाधारण गजट में प्रकाणित करते हुये 250-250 प्रतिपा विश्व तानुगाम ह में अविलाम स्वप्तकार कराने का कार्ट करे।
3-गार्थ काङ्गल हेतु/एन्0आई०सी०।

अरुवा से (सीवप्रक्रियानाम् अस्य क्षेत्र्य जिला)

फार्म--3(ख)

उत्तराखण्ड मृत्य वर्ष्टित कर अधिनियम, 2005 की धारा 7(2) के अधीन मार्थ्य शावदाकारों के लिये आवर्त्त की सावधिक विवरणी।

(नियम । कि उपनिथम (१) का परन्तुक देखें)

टिन(पंजीयन १	CLESSEL!			
0 5			1	T

120	17F	r	- 32	9.
ч	3.99	١.		ъ.

कर निर्धारक प्राधिकारी खण्ड / सर्विल

0.00	-	04		e.
SELECTIVE STATES	1173	BIG T	224	ЫÒ
विवर	513	SEA!	130 54	MA.

सं		1	_	
চাক				

क्योहारी का नाम	
कारवार के मुख्य	
श्यात का पता	
शास्त्रा(यदि कोई हो) का पर	

1- अवधि के दौरान संविदाएं जिनके भद्दे भूगतान प्राप्त किया गया है, का लॉस

0000	क्तुबन्ध का बन्तक एवं गारीय	शविवा ही अवधि	कुत धनस्था	अवधि के दौरान प्राप्त की गरी धनपाड़ि।
1.	2.	3.	4.	5
1				
2				
3.				
4				
5.				
			गुरुव	

2. वेस कर स्रोत पर कटौती की धनशाशि एवं जना की गयी धनराशि का ब्योरा

ক্রচন্দ্রচ	विश्वना । में लेहिलेखत करसम् अनुबन्धों की सवधि के दौरान प्राप्त भुगतान पर वेय कर	स्रीत पर कटोती की धनशक्ति	वालान द्वारा जना की चनसंग्रि	(Sedel)
1.	2.	3.	4,	5.
2.				
3.				
5.				-
कुल				

3. गुगतान का ब्दीस

350490	वासान परधी	कारीख	धनसङ्ग	वैदा का नाम	शास्त्रा
1	-	Н		-	
1	-	1	1	-	-
3	-				
4					
458					

n	पुत्र	घोषणा श्री		- इस	विवरणी	qv.
विवरणी य दी	के लिये अधिकृत है और मैं गयी सुबना एवं विश्विपटवी और ने मजत कथन किया	सस्य एवं	धोषणा एव पूर्ण हैं जीर हस्साक्षर नाम प्रास्थिति	सत्यापित बुध भी	aven & fib	ज स्व



फार्म-3(ग) उत्तराराण्ड मृत्य वर्षित यार अधिनियम 2005 की धारा १(१) के आधीन दिक्त्य आवर्त एवं सामधान धनराशि की हावधिक विवरणी।

		(नियम् ।	l ਨਾ ਤੁਪਜਿਹਮ ਟਿਜ਼(ਪਤੀਰ			
			0 5			
रोवा व			100 Adjustin		A.	-
277	र निधारक प्राधिक	াৰী				
S.	ण्ड/ शक्तिल		Heren residen	***		
विक्ली व	ी अवधि					
नो		7				
तक						
ब्योहारी व	जाम					
कारणार व	हें मुख्य					
लात का	401	***********				
গাজা(যবি	कोई हो) का पर	<u></u>				CONTRACTOR OF THE PARTY OF THE
						(शपयं ग)
1. 8	nest and					
3	गुरपूर्व-II(ग). अणु गुरपूर्व- I में विश्व	देश्ट माल जि				
	हिक तद्यहणीय है				-	
	id (i)-(5)	military with			1	
	न्दु (३) के काम 1		et a dulati	त सम्बर्धाः	1	
5. 9	रातान की नदी धन	0000				
a. भुगताल	का जीस					
10000	चालान संख्या	मार्थक	धनसाशि	क्रिक्त वहार	HEER	Allett
1.						
1.						
-						
			-	-		
1958				-	-	
do					_	
			घोषणा		-	
- 6		q s			er fitte	ल्ली पर हरतासर
करते हैं है रागी सुचल रहत क्षेत्र		र में एलएडा	रा शोवणा एवं	সাক্ষাবিদ কর	ता ते वि	इस विवरणी में दी प्राचा गया है और न
ester_				R\$11253		
				न्त्र		
1				प्रास्थित		

कार्न-4(स्प्र)

जलराजण्ड जून्य वर्धित कर अधिनियम, 2005 की घारा 7(2) वे अधीन संकर्ण राविदाकारा के लिये आवर्त की वार्षिक निवरणी

(নিয়দ 21 ফা জোগিয়দ (3) ইন্তা) বিশ্ববিজ্ঞীয়ন মধ্যা)

		3 3
नेका मे	कर निर्धारक प्राधिकारी, दाणिज्य वार खण्ड सक्षित	
er fa	द्यारण वर्ष	
2	0 1	
	vi e	[V E -1
₩.	मोतिसे का नाम एवं उत्तराखण्ड में कारबार के मुख्य स्थल का पता	***************************************
et.	(पा) विवरणी दाविषत करने वाले धारिक वन नाम (धा) पिसा / पति की नाम (ध) निवास का पता	***************************************
	(घ) कारवार में प्रास्थिति	***************************************
Ψ,	पंजीकृतः / मुख्य कार्यास्त्य ता नाम एव प यदि उत्तरात्त्वण्ड छ बाहर विश्वश हा	RED
12	उसराखण्ड में शास्ताए (पत सहित)	1
105	धरि धतरपार बन्द हो मया हो तो कासकी कारीया	
XI.	पदि कारपार का पुनर्शेषक हुआ है तो पून की तारीख पुनर्शित फर्म के नाम एवं पर संहित	oton

1- निमलं दो वर्षों हो दौरान धान्त तथा जमा किये मुखे कर / समाधान साथि (सोत पर कर काटीली सहित) का स्वीरा

कार निर्माण	হৰ বুন বুন বুনাৰী	मुख प्रकृत सम्मानीत

2- गरियाओं का कौरा जिनके मददे खडीचे के दौरान भूगतान प्राप्त किया गया

SOTIO	अनुक्या गंठ एवं गारीख	गांवेदा की जनकी	कुल धनशाश	अवधि के दौरान प्राप्त धनतात्रिः
To:	2.	3.	4.	5.
1				
2				
3.				
4.				
5.				
			सोम	

3~ वर्ष के दौरान प्राप्त मुगतानों पर कृत देव कर (शानवान अन्तरि तरित वर देकत की सन्दूर्ण वगणन व्यक्तियत उनते हुए अन्य वे एक पन्त शतान करें)

4- देव कर सोत पर की नदी करोती की पनराशि एवं जम्म की वर्षी पनराशि का ध्योरा

movio.	विश्वमण 2 में जरिनदित जरसम प्रमुद्दातों की अवधि को दौराण प्राप्त मुगतान पर देख कर	खोत पर कटौती की धनराणि	वालान हाना जमा की गयी धनतान	िचणी
1.	2	3.	4.	5.
1.				
2.				
3.				
4.				
5.				
धांश		(%)	(四)	
जमा की	गयी कुल धनगरिः	(4b)+(4B)		

5- तज्य में भीतर से छव का स्वीरा:

3660	विक्रमा स्वोहाती का गाम	肥料	11 C.	होता १०० / सारगण	HT WI	dist
11						
2						
			योग			

कार्यक विदराणी के लाख क्रय किये गर्थ माल की सम्पन्न सूची संलग्न की जाये यदि कुल पालि

तमाधान योजन्त से आधारित नहीं है।

6- राज्य के बाहर से माल में क्षेत्र का महिरा:

150710	विकेश न्योगरी का गरम	िन	थपशु	विस संत्र/ सारीख	मात्रा	Alex.
1 2			-	-		
		7	पोग			

दर्शिक दिवरणी के साथ समस्य दर्शन की सूची महतन करे

7— राज्य के बाहर से खरीद पर कर जो धारा 7(2) के अधीन समाधान योजना की शर्ता के अधीन 8 प्रतिशत से अधिक धनराणि की है

2000	died	धनसावित	कार दर	1815
1			8	
			W.	
			(a)	
	d) ri			

8- 중에 설립 경쟁 (3+6):+

	Or and report for confine	
1.90	चेव शुद्ध कर (यदि ३५४ (+) है)	
10	च्याकृत वायनी (यदि 3-4 (-) है)	

15- वर्ष के दौरान प्रयोग किये गये कार्मी का स्वीश

IPO FIG	फार्मी का विदरण	युक्त की प्रारम्भ की कार्या की संस्था	यर्थ को दौरान प्राप्त कार्य	वर्ष के योगन प्रयोग विवर्ष गुरु कार्ग	यर्थ के जना शंक करण
1.	2.	30	4.	5,	6,
II.	कार्ग -16				
2.	1077 - 11				
3.	गुनुबं - ग				
4.	मार्थ ना				
5.	कार्य - पर				
6.	(n)4) - (+)				
7.	कार्स-ई -2				
E.	फार्म				
-0.	uni				

कर्म की अस संख्या विक्रोता / क्रांसा क्योतारी का नाम दिन प्रस्तु का नाम वित्र तंत / तारी व करतु को वाचा तथा चूनव का जनलेख करते हुए प्रयुक्त कार्मी की सुकी रांतान करें।

12- भूगतान का ब्योश

क्राकान सक्या	सारीख	चल्दराशि	बैक का नाम	411.671
1.				
2				
3.			-	
4.				
वीय				

h

मी पुत्र भी . इस विश्वरणी प्रदेश करने के लिए अधिकृत हूँ और मैं एक्टाइएए धाषणा एवं संस्थापित करना हूँ कि इस जिल्ला में दी गयी र बना एवं विशिष्टियाँ सत्य एक एवं हैं और उन्हें की ता कुकर र न विश्वरण करने हैं और न सलत कथन किया गया है इ

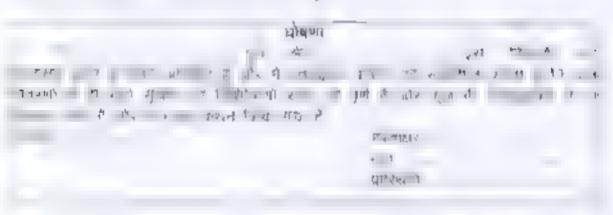
-

फार्म-4(ग)

ं को में को ने कर को भी कर 2005 मी शारा के कि के कि कि कि कि समाधान धनराशि की वार्षिक धन्नान (नियस 21 का उपनियम (3) वेस्तं) टिमाप रीकन सख्य त स । व्यक्तिक्षेत्र वृक्ति । ४ ্তিত চ , विशासना पूर्व (d) n'n r old OF as R. 4-1-5 4 4 7 5 117 4 19 y 1 111 - - 4 1 - 3 ((3))4 7 77 24 2 (2 P) 4 4 4 5 40 1-3 य पिछले २ वर्षों के आवल से निर्धारण का प्रशीप Falls in P. . . भ र में कर अनुवारों भी भेजर के अपने प्रोधिक प्र The margin to I FRE Primary Strong of the भगापन की नहीं धनराति। वर्ष , वा केन्द्रविक्ष रहा अंग निवासीर के साद्वारी है हावर के स धावरणांग समित्र असर सी समरण का सम्लेख करें

ह भूगतान का क्ष्मीरा क्र8संघ - १ व. १ रेल च माम ७

वृध्यया निम्नांलाखंत सलग्न करे वाज्य के भीतर करट्य मास की खरीद की सुनी।

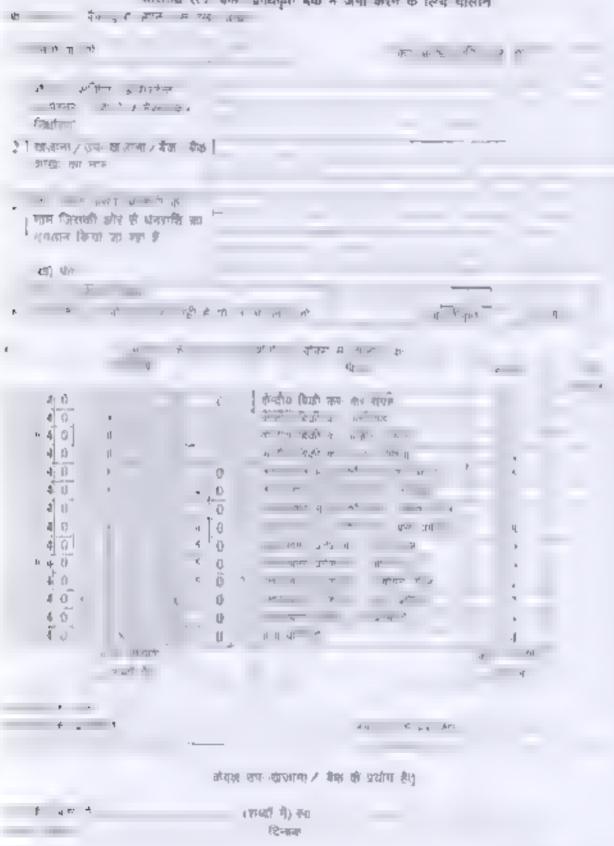


 $(0, \omega) = (0, \varepsilon, 10)$

फार्म 8

(निगम 10 का उपनियम 1 देखें)

मूल्य वर्तित कर / वर्गणित्वक कर / योग्पीय विक्रय कर को खुआना / उप-खरतना मार्शीय रिजन है क भारतीय स्टेन हैंक प्राधिकृत देक में जमा करने के लिये थासान



कार्क-8

(नियम 10 का उपनिवन (1) देखें)

मूल्थ वर्षीत कर, डाफिलिक कर/ केन्द्रीय विकास कर को खजाना/ ३५ साअरना भारतीय निजर्स हैक / भारतीय स्टेट वैक / प्राधिकृत वैक में अमा करने के दिन्ये बात्नान

है। या अभितिक के हैं। अ न हार्ये (4**0**) 9 m . . FIXA BEIN 17. 17 -17.70 magar 1 to 4 to . . खजाना / वर्ष खञाना / पैक / जैक सायका क्या महाय . 342 5 T of IT with a · ** / / / त्या यस. ্ৰ ীলৈ / ক্লীকৰ ৰচক में रह अवसीत में द्वार में १९ कर करे 4 3 46 4 99 4 4 the state of the the ó क प्रतिक्षेत्र क क e to y the term up a de de Description of the contract of D THAT COME IS NOT A SEA A SEASON 18 to gap with the ex-Tay or Y न के के समान प 44 45 4 48 40 0 2 Table 44 4 19 a of . . . plat to by the क्षात्रका के एकानार क्षेत्र क्षेत्र के अर्थ / स्थाप करे 4 1 (37485-16) 110 2.0

10 A 3 A

(नियम 19 का उपनियम (१) देखें)

मूल्य वर्षित कर / वाधिनंत्रिक कर / केन्द्रीय विक्रम कर को खजाना / तम खजाना चारतीय दिल4 वैक भारतीय स्टेट वैक / प्राणिकत वैंक में खना करने के लिये चालतन

📝 अन्तर्व 🗸 साम अस्तृत 🦫 क्षः 🖃 व्यार्थनः T 10 I T ph 31g ± ব টুল স্থিতিৰ আ 4" # 4 P A - h , f ц' 🖖 т 1: + A ही सुसागरा जेकालॉर्व को बाक्स ने विशेष्ट्रक करे 7 4 9 70 0 1 - ms 5 . q - q ... 1 200 · 100 × 9 /1 20 4 2 6 -8 8 8 7 H T S in the second second < 95 ft E 41

जनकर्ता के इस्ताहर

केवल रहप-काजाशा / वैक के प्रयोग वस्

(मध्यों में) स्थ ग्रेसटः

> ्र प्रकार व क्षेत्र - प्रकार व क्षेत्र

फार्न-ह

्मिम १६ का उपनिश्चम (१) देखें)
मूल्य नर्षित कर / डामिनिक कर / उन्धीय विकय कर को साजाना / उप-खजाना भारतीय रिजर्व केत /
मारतीय स्टेट बैंक / प्राधिकृश बैंक में जमा करने के लिये मालान

1	discryoffs differery () (Sufere)			3					
	कताना / पप भागा देव गा		180/	80	E				
	(৯) আদি জ লগ (১৮৪৯) বুলালে (১৮৪	क्षेत्र से व	psedži.	81					
	(m) and	W 1000000			1				
1	151 / quilw			do a	000	-			
	rate story of	WINE A	रखाः न	EI I	100	UII	भी त्यानु हो अध्यक्ती	ENCT 120 f	do
		curde	- A		tensi '		प्रतिषे को जीवन ने विविद्या करें ।		
	_	3000		40	****	400	Shake on a second or a	2010	ven
							inter-	8050	(940.9
-		0 1 0	1 0	1	0	0	कन्द्रीय दिवी कर-कर सवड	0.1	
-6		0 1 0	10	1	()	0	विन्हीय विजी तस-अर्थनच	0.2	
м		1 0	10	1	().	0	के चीच विक्री कर एक एक विश्व	0.3	
-		0 1 0	10	1	0.	0	कंदीन विजी कर माथ प्राप्तिनो	0.4	
-		0.10	2.0	1	0	9	राज्यकाद पूज्य वर्षित कर-कर शहर	0.5	
٠	Codembicand Incident	0 1 0	20	d	0	90	correcte girt tills an anions	0.6	
1	- A company for the control of	0 1 0	30	÷	0	믮	रंगस्थान्य पुन्द अधित सन-वर्णायन प्रोत	0.7	-
1		0 1 0	30	-ç	0	뭐	वासस्थान्य मृत्य कवित कर्त-अन्य वर्गसार्थः वर्तासम्बद्धः प्रवेश कर्त- कर्ता संघरः	0.0	
ł	0 4 0 0	0 1 72	ALC: N	-	0	1	arrayays salar are meters	and the second	
Ī	0400	H 1 G	20.00	- 2	100	A.	जाराज्य प्रोस कर प्रतिश क्रीय	1.0	
İ	0400		20	A	-0	-			
1	04000	0 1 0	2.0	3	0	-	A STATE OF THE PARTY OF THE PAR	11	
	14000 0400 0400	1 0	20	5	0.	1	anners sin ex- on after	12	
	14000 0400 0400	1 0	20	5	0.	1 1 0	anners sin ex- on after	12	
Į	0 4 0 0 0 0 4 0 0 0 0 4 0 0 0	1 0	2020	5	0.	1 0	रामान्त्रस्य प्रतित कर- अन्य अधियो	1 3 1 4 16 M weeks	

special it street चय-स्थलन् हेन को मुख

फार्म-11 (नियम 23 का उपनियम(1) देखिएं) मान्यता ध्रमाणपत्र धारक स्थोहारी द्वारा धोषणा का फार्म दूसरी प्रति

क्रम स	TOTAL STATE			जारी करने की	त शिक
	ज्याः जिसको ज	of Dean		-	
	का नाम व				
	प्रमाणपञ्च १				
तारीख		1	free		
27720		- 10	439	82014	12
			/am		विकाश की मूहर)
			feet	सेवटर र	falor
(उपलेट शेवा में	त प्रविधित्या	जारी करने वा	ले प्राधिकारी द्वारा भग	जायेगी)	
		-			
	(flation)				
माल क	प्रमाणित कि। विस्मिण ३	या जाता है कि स्थवा ऐसे विक्रि	आपसे ह्या किया सब मित माल की फेकन म	त कीचे विभिन्निक में पैजीमन माज	गाल हमारे द्वारा कीर काले मान के
क्य में	उपयोग के र	किये में और स	क विनिर्मित माल को	भारत के की जाता	2(/7) 32 milion
रीति हो	पंचा जायेग	7.1		and a sui suid	er hit a manner
			मेरे पास असिस्टेन्ट व	क्रमिश्लर रीकटर	
सर्वित		इस्स मुझे/	एमें जारी किया गवा	मान्यता प्रमाण प	nostr e
अति वह	लारीया		18 mg 81		
		वा ज्वला है कि	R/ 84		
	र अभिनाम				(पुरा परा
पुर कटा	भार करते हैं		2 - 1 - 1		
	1 10.		य किये गये गाल का वि		
DOM:			मान का गियरण	मात्रा/ आर	मास यह मूख
100	3(20)	शरीव			
-	2(*)	2(40)	3	4	3
				-	
			-	_	
	_			योग	
रुपर्य	_				(श राजा)
				-	ferent -th
नार्टिख				स्वरशक्षा र	
				साम	
स्यान	5011	- 10-		प्रास्थिति	
		(टिप्पणी: विर	में ब्योहारी को आरी		
		Annual Property	will write out out and	LOUGHT COLUMNIA	

वाणिज्य कर विमाग, उत्तराखण्ड

प्रास्ति पुत्र (कार्याजय हत्। (मियन ११ का उपनियम्(१०) देख) (प्राचीलय द्वारा भरा जारोगा)

कार्यालय अभिस्टेन्ट कनिश्नर/ कर निर्धारक प्रा खण्ड/ सर्विल	विकारी
धरीहारी का नाम पता	***************************************
হিন(ব্যাহন নাভ্যা) 0 5	
रार्वश्री	निर्धारण वर्ष
तंतरनक(पदि कोई हो)	
3	
रसीद संख्या व तारीख	
	W BUTTERS
	Kathan ag man
	कार्यालय की मुहर

वाणिज्य कर विभाग, उत्तराखण्ड

प्राप्ति पत्र (स्योहारी हेनु) (नियम 11 का उपनियम(10) देखें) (कार्यालय द्वारा महा जायेगा)

भावीलय असिस्टेंग्ट कपिएनर/ कर निर्धारक प्राणिका स्वष्ट्र/ सर्वित्व	श
oboti se see	***************************************
टिन(पंजीयन संख्या) 0 5	
रावंकी	
रालग्नक(याँवे कोई हो) 	
3	
रमीद संख्या व तारीस्थ	
	हरताक्षर नाम कार्यालय की मुहर-